AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

मिलेंगे शोध, रोजगार और इंटर्नशिप के बेहतर अवसर

लविवि ने सीबीएमआर व एसडीएमए के साथ किया एमओयू, बीफार्मा के विद्यार्थियों-शिक्षकों के लिए फायदेमंद साबित होगा

माई सिटी रिपोर्टर

लविवि ने एसडीएमए के साथ किया एमओयू। -संवाद

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को शोध, रोजगार और इंटर्नशिप के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे। इसके लिए विवि प्रशासन ने सोमवार को जैव चिकित्सा अनुसंधान केंद्र (सीबीएमआर) व स्टेट ड्रग मेन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन (एसडीएमए) से अलग-अलग एमओयू किया। जो विद्यार्थियों के लिए काफी फायदेमंद होगा।

विवि के मंथन सभागार में सीबीएमआर व इंस्टीट्यूट आर्फे फामार्स्युटिकल सांइसेज के बीच औषधि अनुसंधान विकास के सहयोग के लिए एमओयू किया गया। जिस पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व प्रो. आलोक कुमार धवन निदेशक सीबीएमआर, प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी निदेशक इंस्टीट्यूट आर्फे फामार्स्युटिकल सांइसेज ने हस्ताक्षर किया।

इस एमओयू के अनुसार कोविड महामारी पर जैव चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में संयुक्त शोध प्रोजेक्ट, औषधि विज्ञान के क्षेत्र में एकेडमिक पब्लिकेशन, छात्रों व शिक्षकों के लिए न्यू एजुकेशन पालिसी के अनुसार शोध के अवसर, एडवांस इंक्यूबेशन के साथ प्रशिक्षण प्रोग्राम व इंटर्नशिप का अवसर मिलेगा।

प्रो. आलोक धवन ने बताया कि सीबीएमआर देश का इकलौता जैव चिकित्सीय अनुसंधान संस्थान है जो कि जैव चिकित्सीय अनुसंधान के लिए विश्व स्तरीय सुविधाएं हैं। इस अवसर पर डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन, प्रो. राकेश चंद्रा डीन एकेडमिक उपस्थित थे। दूसरी तरफ विवि के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल सांइसेज ने एसडीएमए के साथ भी एमओयू किया। जो फार्मेसी के विद्यार्थियों को औषधि अनुसंधान विकास व छात्रों के तकनीकी प्रशिक्षण, रोजगार में सहयोग करेगा। एमओयू पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व वीर अंजनी कुमार सक्सेना, प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने हस्ताक्षर किया। एमओयू के अनुसार छात्रों को औद्योगिक तकनीकी प्रशिक्षण व रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगे। शिक्षकों के सहयोग से फार्मास्युटिकल औद्योगिक शोध व समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। वीर अंजनी कुमार सक्सेना ने बताया कि इससे लखनऊ विवि से पास होने वाले सभी छात्रों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। इस अवसर पर रविंद्र सिंह लघु भारतीय उद्योग भी उपस्थित रहें।

शैक्षिक आदान-प्रदान के लिए किया एमओयू

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय और लखनऊ विश्वविद्यालय ने सोमवार को एक शैक्षणिक एमओयू साइन किया। एमओयू पर लविवि के रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह व भाषा विवि के रजिस्ट्रार संजय मल्ल ने हस्ताक्षर किए। इस एमओयू का उद्देश्य शोध और शैक्षिक कार्यक्रमों पर सूचनाओं का आदान-प्रदान करना है।

लविवि व भाषा विवि के बीच हुआ एमओयू

साथ ही शिक्षण, शिक्षण सामग्री व अन्य साहित्यिक सूचनाओं का आदान-प्रदान, पारस्परिक हित के विषयों पर संयुक्त रूप से शिक्षा कार्यक्रम आयोजित करना, आपसी हित के विषयों पर संगोष्ठी, सम्मेलन व कार्यशालाओं का संयुक्त रूप से आयोजन, फंडिंग एजेंसियों द्वारा प्रायोजित शोध या प्रशिक्षण कार्यक्रमों को संयुक्त रूप से प्रस्तावित करना शामिल है। शिक्षा और अनुसंधान के उद्देश्य से सीमित अवधि के लिए स्नातक, परास्नातक और शोध के छात्रों को अवसरों का आदान-प्रदान करना है। (माई सिटी रिपोर्टर)

एलयू बना वर्चुअल लैब का नोडल केंद्र

लखनऊ। मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वर्चुअल लैब को लेकर एक पहल शुरू की गई है। इसके द्वारा सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से शिक्षा पर राष्ट्रीय मिशन के तत्वावधान में लखनऊ विवि को एक 'नोडल केंद्र' के रूप में नामित किया गया है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि इस वर्चुअल लैब के उपयोग के बारे में छात्रों और संकाय सदस्यों को जागरूक करने के लिए आईआईटी दिल्ली, लविवि के छात्रों और शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन करेगा। (माई सिटी रिपोर्टर)

बीएड तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं पांच से

लखनऊ। लखनऊ विवि में बीएड तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं पांच मार्च से शुरू हो रही हैं। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी के अनुसार परीक्षा पांच, नौ व 11 मार्च को आयोजित की जाएगी। परीक्षा सुबह 9 से 12 बजे तक होंगी। कार्यक्रम विवि की वेबसाइट पर है। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT PAGE 4

एलयू: बीएड थर्ड सेमेस्टर की परीक्षाएं 5 से

■ एनबीटी, लखनऊ : एलयू ने सोमवार को बीएड थर्ड सेमेस्टर का परीक्षा शेड्यूल जारी कर दिया। इसके अनुसार 5, 9 और 11 मार्च को परीक्षाएं होंगी। परीक्षा सुबह 9 से 12 बजे तक होगी। अधिक जानकारी एलयू की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in से हासिल की जा सकती है।

एलयू-सीबीएमआर मिलकर करेंगे शोध

■ एनबीटी, लखनऊ : जैव चिकित्सा अनुसंधान केंद्र (सीबीएमआर) और लखनऊ यूनिवर्सिटी के इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल सांइसेज के बीच सोमवार को करार हुआ। एमओयू पर एलयू के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और सीबीएमआर के निदेशक प्रो. आलोक कुमार धावन ने हस्ताक्षर किए। इस मौके पर इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल सांइसेज के निदेशक प्रो.पुष्पेन्द्र कुमार त्रिपाठी और एलयू के अकेडमिक डीन प्रो. राकेश चंद्रा भी मौजूद रहे। एलयू वीसी ने बताया कि करार के तहत जैव चिकित्सा अनुसंधान पर संयुक्त रूप से शोध होगा। इसके साथ ही स्टेट ड्रग मेन्युफैक्चरिंग असोसिएशन से भी एमओयू हुआ है। वीसी प्रो. आलोक कुमार राय और असोसिएशन से संरक्षक वीर अंजनी कुमार सक्सेना की मौजूदगी में करार हुआ। इसका मकसद छात्रों को औधोगिक तकनीकी प्रशिक्षण और रोजगार उपलब्ध करवाना है। इसके साथ ही अनुसंधान, बेहतर शिक्षा को लेकर भाषा विवि में एमओयू हुआ।

JAGRAN CITY PAGE III

विद्यार्थियों को मिलेंगे रोजगार के अवसर

जागरण, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्युटिकल साइंसेज में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को आइआइटी की तर्ज पर शोध की सभी सुविधाएं मुहैया हो सकेंगी। साथ ही, इंटर्नशिप और रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। इसके लिए लखनऊ विश्वविद्यालय ने सोमवार को जैव चिकित्सा अनुसंधान केंद्र (सीबीएमआर) लखनऊ और राज्य अनुसंधान मेन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के साथ समझौता हुआ। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, सीबीएमआर के निदेशक प्रो. आलोक धवन, एसोसिएशन के संरक्षक वीरअंजनी कुमार सक्सेना और इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्युटिकल साइंसेज के निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

स्टेट ड्रग मेन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के संरक्षक वीरअंजनी कुमार सक्सेना ने कहा कि एमओयू होने से लवि के विद्यार्थियों को औद्योगिक प्रशिक्षण में सहयोग दिया जाएगा। शिक्षकों के सहयोग से फार्मास्युटिकल औद्योगिक शोध व समस्याओं को निराकरण भी होगा। विश्वविद्यालय के पास होने वाले सभी विद्यार्थियों को रोजगार देने के अवसर दिए जाएंगे। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने दोनों संस्थानों को बधाई दी।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने जैव चिकित्सा अनुसंधान और स्टेट ड्रग मेन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के साथ किया एमओयू। ● सौ. लागि

सीबीएमआर में बेहतर शोध की सुविधाएं

सीबीएमआर के निदेशक प्रो. आलोक धावन ने बताया कि जैव चिकित्सीय अनुसंधान केंद्र विश्व स्तरीय मशीनरियों से सुसज्जित है। इस एमओयू से साइंस एंड टेक्नोलाजी के क्षेत्र में शोध को बढ़ावा मिलेगा। विद्यार्थियों के लिए नए अवसर प्राप्त होंगे। इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्युटिकल साइंसेज के निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि इस एमओयू से कोविड-19 जैसी महामारी पर जैव चिकित्सा अनुसंधान के लिए संयुक्त रूप से प्रोजेक्ट करेंगे। विद्यार्थियों व संकाय सदस्यों के लिए नई शिक्षा नीति के अनुसार शोध के अवसर मिलेंगे। साथ ही प्रशिक्षण कार्यक्रम, ग्रीष्म व शीतकालीन इंटर्नशिप का आदान-प्रदान होगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय बनाएगा वर्चुअल लैब

जागरण, लखनऊ : डिजिटल यूनिवर्सिटी की दिशा में कदम बढ़ाने वाला लखनऊ विश्वविद्यालय जल्द ही वर्चुअल लैब की स्थापना करेगा। शिक्षा मंत्रालय ने विश्वविद्यालय को इसके लिए नामित कर दिया है। जल्द ही आइआइटी दिल्ली के विशेषज्ञ वहां कार्यशाला आयोजित करेंगे, जिसके माध्यम से शिक्षकों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इसमें कंप्यूटर प्रोग्रामर भी प्रतिभाग करेंगे।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से एक्सप्रेशन आफ इंट्रेस्ट (ईओआइ) के लिए मंत्रालय में प्रस्ताव भेजा था। इसके तहत यदि मंत्रालय कोई कार्य करता है तो वह प्रस्ताव मांगता है। उसी के आधार पर हमने वर्चुअल लैब बनाने के लिए प्रस्ताव भेजा था, जिसके लिए विश्वविद्यालय को नोडल केंद्र नामित किया गया है। वह लैब विश्वविद्यालय के ओएनजीसी भवन में बनाए जाने की उम्मीद है। विश्वविद्यालय ने इसके लिए तैयारी शुरू कर दें है।

HINDUSTAN PAGE 8

दवाओं के रिसर्च में संभावनाएं बढ़ीं

लखनऊ। इंस्टीट्यूट फार्मास्युटिकल सांइसेज, लखनऊ विश्वविद्यालय और स्टेट ड्रग मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन लखनऊ के बीच सोमवार को एक एमओयू साइन किया गया। इसके तहत लखनऊ विश्वविद्यालय के फार्मेसी के छात्र-छात्राओं को ड्रग रिसर्च के क्षेत्र में बेहतर मौके मिलेंगे। एलयू के प्रशासनिक भवन स्थित मंथन सभागार में एलयू कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, वीरअंजनी सक्सेना, संरक्षक, स्टेट ड्रग मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन लखनऊ, प्रो. पुष्पेन्द्र त्रिपाठी निदेशक, इन्स्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल सांइसेज ने हस्ताक्षर किए।

i-NEXT PAGE IV

लखनऊ यूनिवर्सिटी बनाएगी वर्चुअल लैब

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (21 Feb):लखनऊ यूनिवर्सिटी जल्द ही वर्चुअल लैब की स्थापना करेगा. भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने यूनिवर्सिटी को इसके लिए नामित कर दिया है. जल्द ही आईआईटी दिल्ली के विशेषज्ञ यूनिवर्सिटी में कार्यशाला आयोजित करेंगे, जिसके माध्यम से शिक्षकों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा. केंद्रीय बजट में पहले ही एक डिजिटल यूनिवर्सिटी बनाने की घोषणा हो चुकी है. वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि यूनिवर्सिटी की ओर से एक्सप्रेशन आफ इंट्रेस्ट के लिए मंत्रालय में प्रस्ताव भेजा था. इसके तहत यदि मंत्रालय कोई कार्य करता है तो वह प्रस्ताव मांगता है. उसी के आधार पर हमने वर्चुअल लैब बनाने के लिए प्रस्ताव भेजा था, जिसके लिए यूनिवर्सिटी को नोडल केंद्र के रूप में नामित कर दिया गया है.

भाषा विश्वविद्यालय और लवि के बीच शैक्षणिक एमओयू

लखनऊ: ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय और लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) के बीच सोमवार को एक एमओयू हुआ। विश्वविद्यालय प्रशासन ने अनुसार एमओयू का मकसद शैक्षिक कार्यक्रमों पर सूचनाओं का आदान-प्रदान, शिक्षण सामग्री एवं अन्य साहित्य पर सूचनाओं का आदान-प्रदान करना, पारस्परिक हित के विषयों पर संयुक्त रूप से अल्पकालिक शिक्षा कार्यक्रम आयोजित करना, आपसी हित के विषयों पर संगोष्ठी आदि है। एमओयू दोनों विश्वविद्यालयों के कुलसचिव द्वारा हस्ताक्षरित किया गया है। (जास)

FIRST INDIA PAGE 12

Your Vote Your Voice

Prof Rakesh Dwivedi, Prof Rupesh Kumar, VC Alok Kumar Rai with dignitaries

CITY FIRST

The National Service Scheme, University of Lucknow and Deep Infotech Charitable Trust organised a prize distribution ceremony of the signature campaign and poster, slogan, speech, quiz competitions for the Voter Awareness Campaign at the Tagore Library Auditorium of Lucknow University.

The winners and participants of the competitions were rewarded by Vice-Chancellor Alok Kumar Rai.

During the program, Dean Student Welfare Prof Poonam Tandon appealed to the students to be conscious voters with the phrase "Chhatra Shakti Mahashakti" and requested them to motivate others to vote using social media as well.

Chief Proctor Rakesh Dwivedi, NSS Program Coordinator Prof Rupesh Kumar, Tagore Librarian Prof DK Singh, Dr Jyoti Mishra, Dr Pravish Prakash along with program officers of Lucknow University, National Service Scheme Dr Alka Mishra, Dr Mohini Gautam, Dr Chitra Singh, Dr Sarita Khalko (IT College) and Dr Ritu Mahila (P.G. College) and volunteers were present during this event.

PIONEER PAGE 5

एलयू व सीबीएमआर के बीच हुआ करार ज्वाइंट रिसर्च प्रोजेक्ट को मिलेगा बढ़ावा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के इन्स्टीट्यूट आर्फे फार्मास्युटिकल सांइसेज व जैव चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र (सीबीएमआर) के बीच सोमवार को औषधि अनुसंधान विकास को लेकर एक अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किया गया। एमओयू पर विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और सीएमआर के निदेशक प्रो. आलोक कुमार धवन व प्रो पुष्पेन्द्र कुमार त्रिपाठी निदेशक इन्स्टीट्यूट आर्फे फार्मास्युटिकल सांइसेज ने हस्ताक्षर किया। एमओयू के तहत कोविड 19 जैसे महामारीयों पर जैव चिकित्सा अनुसंधान के लिए ज्वाइंट रिसर्च प्रोजेक्ट करने, एकेडमिक पब्लिकेशन, पुस्तिकां और रिर्पोट आदि औषधि विज्ञान के क्षेत्र में संयुक्त रुप से लिखने, छात्रों एवं संकाय सदस्यों के लिए न्यू एजुकेशन पालिसी के अनुसार अनुसंधान के अवसर उपलब्ध कराना शामिल रहेगा। वहीं स्टेट ड्रग मेन्युफेक्चरिंग एसोसिएशन, लखनऊ एवं इन्स्टीट्यूट आर्फे फार्मास्युटिकल सांइसेज के बीच एक अनुबंध किया गया।

भाषा विश्वविद्यालय और लविवि के बीच शैक्षणिक एमओयू

लखनऊ। सरकार की अपेक्षाओं एवं उच्च शिक्षा विभाग की पहल पर सोमवार को कुलपति प्रो आलोक कुमार राय के निर्देशन में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के मध्य एक एमओयू स्थापित किया गया है। एमओयू पर दोनों विश्वविद्यालयों के कुलसचिव द्वारा हस्ताक्षर किया गया है। एमओयू के तहत अनुसंधान और शैक्षिक कार्यक्रमों पर सूचनाओं का आदान-प्रदान करना, शिक्षण, शिक्षण सामग्री एवं अन्य साहित्य पर सूचनाओं का आदान-प्रदान करना, पारस्परिक हित के विषयों पर संयुक्त रूप से अल्पकालिक शिक्षा कार्यक्रम आयोजित करना और शिक्षकों को इसमें भाग लेने के लिए आमंत्रित करना, आपसी हित के विषयों पर संगोष्ठी, सम्मेलन या कार्यशालाओं का संयुक्त रूप से आयोजन करना और शिक्षकों को उसमें भाग लेने के लिए आमंत्रित करना, फंडिंग एजेंसियों द्वारा प्रायोजित अनुसंधान या प्रशिक्षण कार्यक्रमों को संयुक्त रूप से प्रस्तावित करना और उसका क्रियान्वयन करना, शिक्षा और अनुसंधान के उद्देश्य से सीमित अवधि के लिए स्नातक, परास्नातक और डॉक्टरेट स्तर के छात्रों को अवसरों का आदान-प्रदान करना शामिल रहेगा।

AMRIT VICHAR PAGE 6

छात्रों को तकनीक के साथ मिलेंगे रोजगार के अवसर

अमृत विचार, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय ने छात्रों को औद्योगिक तकनीकी प्रशिक्षण एवं रोजगार उपलब्ध कराने के लिए स्टेट ड्रग मेन्यूफैक्चरिंग एसोसिएशन से एक एमओयू साइन किया है।

कुलपति प्रोफेसर अलोक कुमार राय ने बताया कि इससे छात्रों को प्रशिक्षण एवं रोजगार के मौके मिलेंगे। इसका उद्देश्य शिक्षकों के सहयोग से फार्मास्यूटिकल औद्योगिक शोध एवं समस्याओं के निराकरण के साथ-साथ संकाय सदस्यों के विकास के लिए एकेडमिक-इंडस्ट्रीयल औषधि अनुसंधान में शोध को बढ़ावा देना है, इसके साथ ही प्रदेश में फार्मास्यूटिकल उद्योग का विकास करना

है। इस मौके पर स्टेट ड्रग मेन्यूफैक्चरिंग एसोसिएशन के संरक्षक वीर अंजनी कुमार सक्सेना ने बताया कि प्रदेश में 515 औषधि एवं कास्मेटिक्स निर्माण औद्योगिक इकाइयां स्थापित हैं, जो कि प्रदेश की अर्थव्यस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 40,000 करोड़ रुपये का फार्मा उद्योग है, जिसमें प्रदेश की फार्मा कंपनियों का 1,000 करोड़ रुपये का योगदान है।

सुविधा

- **लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्टेट ड्रग मेन्यूफैक्चरिंग एसोसिएशन के साथ साइन किया एमओयू**

भाषा विवि और लविवि साझा करेगा शैक्षणिक कार्यक्रम : लखनऊ विश्वविद्यालय और ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय शैक्षणिक कार्यक्रमों को आपस में साझा करेंगे। इस संबंध में दोनों ही विश्वविद्यालयों के बीच एमओयू साइन किया गया है। इसके तहत छह बिंदुओं पर चीजों को साझा किया जायेगा। विश्वविद्यालय की प्रवक्ता डॉ. तनु डंग ने बताया कि इस एमओयू के बाद अब अनुसंधान और शैक्षिक कार्यक्रमों पर सूचनाओं का आदान-प्रदान किया जायेगा। शिक्षण, शिक्षण सामग्री एवं अन्य साहित्य पर सूचनाओं को साझा किया जायेगा। पारस्परिक हित के विषयों पर संयुक्त रूप से अल्पकालिक शिक्षा कार्यक्रम आयोजित करना और शिक्षकों को इसमें भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जायेगा। इसके साथ ही फंडिंग एजेंसियों द्वारा प्रायोजित अनुसंधान या प्रशिक्षण कार्यक्रमों को संयुक्त रूप से प्रस्तावित करना और उसका क्रियान्वयन किया जायेगा। शिक्षा और अनुसंधान के उद्देश्य से सीमित अवधि के लिए स्नातक, परास्नातक और डॉक्टरेट स्तर के छात्रों के लिए अवसरों का आदान-प्रदान किया जायेगा।